

[This question paper contains 8 printed pages.]

1250

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक _____

LL.B.

JS

V Term

Paper LB-501 – CIVIL PROCEDURE

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but
the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt Five questions including
Question No. 1 which is compulsory.

All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक 1 सहित

पाँच प्रश्न कीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Answer briefly any **four** of the following :

- (a) Alternate Dispute Resolution as a mode of settlement under cpc.
- (b) Distinguish between "Decree" & "order".
- (c) Grounds of Rejection of a plaint.
- (d) Foreign judgement; its conclusiveness and enforceability.
- (e) Grounds of Second Appeal.

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

- (क) सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन व्यवस्थापन रीति के रूप में वैकल्पिक विवाद समाधान।
- (ख) 'डिक्री' और 'आदेश' के बीच विभेद।
- (ग) वाद-अस्वीकृति के आधार।
- (घ) विदेशी निर्णय; इसकी निश्चयकता तथा प्रवर्तनीयता।
- (ङ) द्वितीय अपील के आधार।

2. (a) B residing in Kolkata has an agent at Calicut employed to sell his goods there. A sues B in Calicut claiming a balance due upon an account in respect of dealing between him & B. During the pendency of the suit in Calicut competent to grant relief B institutes a suit against A in Kolkata for account and damages caused by A's alleged negligence. Can the Kolkata court proceed with trial of B's suit ?

(b) Two suits were filed by the plaintiff against defendant and the issues in both the suits were common. The suits were decreed on merits after Trial by a common judgement. Two appeals were filed. One of the appeals is dismissed as barred by limitation. What is the effect of this dismissal on the other appeal? Discuss giving reasons.

(क) कोलकाता में रहने वाले B ने अपना माल विक्रय करने के लिए कालीकट में एक एजेंट नियुक्त किया। A ने B पर कालीकट में वाद चलाया जिसमें उसके और B के बीच किसी सौदे से सम्बन्धित लेखे में देय अतिशेष की मांग की गई। कालीकट न्यायालय जो अनुतोष मंजूर करने के लिए सक्षम है, में वाद के लम्बित रहने के दौरान B ने कोलकाता में A के विरुद्ध उसकी अभिकथित उपेक्षा द्वारा कारित नुकसानी और लेखा हेतु वाद संस्थित कर दिया। क्या कोलकाता का न्यायालय B के वाद पर विचारण कार्यवाही चला सकता है ?

(ख) वादी ने प्रतिवादी के विरुद्ध दो वाद फाइल कर दिए पर दोनों में विवादक उभयनिष्ठ (कॉमन) थे। दोनों वादों में विचारण के बाद कॉमन निर्णय द्वारा गुणावगुण के आधार पर डिक्री दी गई। दो अपील फाइल की गईं। एक अपील को परिसीमा वर्जित होने पर खारिज कर दिया गया। इस अपील खारिजी का अन्य अपील पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सकारण विवेचन कीजिए।

3. (a) Distinguish between Constructive Resjudicata and ord.2 r.2 with the help of decided cases.
- (b) What are the material considerations before the court while passing an ad-interim order of injunction ?

- (क) विनिश्चित केषों की सहायता से आन्वयिक पूर्व-न्याय और आदेश 2, नियम 2 के बीच भेद स्पष्ट कीजिए।
- (ख) व्यादेश का अन्तःकालीन आदेश पारित करते समय न्यायालय के समक्ष क्या तात्त्विक विचार होते हैं ?

4. (a) Decide the place of suing in the following cases :

(i) A Transport Company has its head office at Chandigarh and branch office at Chennai, Jaipur and Varanasi. A dispute cropped up between A and the company in respect of a transaction made through Chennai office. A files a case against this transaction/dispute in a court at Jaipur. Decide.

(ii) A residing in Mumbai, Publishes in Delhi statement defamatory of B. Where can B file a suit for compensation against A ?

(iii) X, Y and Z are joint owners of property situated at Jaipur. X lives in Mumbai. Y lives in Delhi and Z lives in Jaipur. In which court or courts can the suit for partition be filed ?

(b) State briefly the provision relating to Execution Putting special emphasis on objective/purpose of Execution, Attachment of salary and Attachment of Dwelling house in Execution proceedings as per cpc.

(क) निम्नलिखित मामलों में वाद-स्थल का विनिश्चय कीजिए :

(i) एक परिवहन कम्पनी का प्रधान कार्यालय चन्डीगढ़ में तथा शाखा कार्यालय चेन्नई, जयपुर और वाराणसी में है। चेन्नई कार्यालय के माध्यम से किए गए एक संव्यवहार के बारे में A तथा कम्पनी के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। A ने इस संव्यवहार/विवाद के विरूद्ध जयपुर के एक न्यायालय में केस दाखिल किया। विनिश्चय कीजिए।

(ii) मुम्बई में रहने वाले A ने दिल्ली में B के विरूद्ध मानहानिकारक बयान प्रकाशित कर दिया। B कहां पर A के विरूद्ध प्रतिकर का वाद फाइल कर सकता है ?

(iii) X, Y और Z जयपुर स्थित सम्पत्ति के संयुक्त स्वामी हैं। X मुम्बई में Y दिल्ली में और Z जयपुर में रहता है। किस न्यायालय अथवा न्यायालयों में विभाजन हेतु वाद फाइल किया जा सकता है ?

(ख) सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार निष्पादन से सम्बन्धित उपबन्ध का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए जिसमें निष्पादन के उद्देश्य/प्रयोजन पर निष्पादन कार्यवाहियों में वेतन की कुर्की तथा निवासीय मकान की कुर्की पर विशेष बल दिया गया हो।

5. (a) Elucidate the provision relating to production of additional evidence at Appellate level. Discuss the ground of Second Appeal.

(b) Discuss the provisions relating to Inherent powers of the court, Enlargement of Time, correction of orders, judgement & decrees vis-a-vis Review of orders judgement & decree as per cpc.

- (क) अपीलीय स्तर पर अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत करने सम्बन्धी उपबन्ध की व्याख्या कीजिए। द्वितीय अपील के आधार का विवेचन कीजिए।
- (ख) सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों, समय-विस्तार, आदेशों के शोधन, पुनर्विलोकन आदेश की तुलना में निर्णय तथा डिक्री, निर्णय तथा डिक्री से सम्बन्धित उपबन्धों का विवेचन कीजिए।

6. (a) Discuss the Scope of ord. 1, r. 10 and explain the meaning of Interpleader suit. Can a new name as a party to the suit be added or deleted after institution of the suit.
- (b) Is there a provision for bringing some change in the plaint or written statement already filed in the court? Till what stage and what other essential has to be seen by the court while allowing such Amendments in the pleading? Discuss with the help of a Recent judgement.

- (क) आदेश 1, नियम 10 की परिधि का विवेचन कीजिए तथा अन्तराभिवाची वाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए। क्या वाद संस्थित करने के पश्चात वाद के पक्षकार के रूप में कोई नया नाम जोड़ा या काटा जा सकता है ?
- (ख) क्या न्यायालय में पहले से फाइल किए गए वाद-पत्र या लिखित कथन में कुछ परिवर्तन करने हेतु कोई उपबन्ध है ? अभिकथन में ऐसे संशोधनों की अनुमति देते समय न्यायालय किस प्रक्रम तक ऐसा कर/सकता है तथा उसे किन अन्य जरूरी बातों को देखना पड़ता है ? हाल के निर्णय की सहायता से विवेचन कीजिए।

7. (a) What is the consequence of Non-Appearance of Plaintiff? Discuss the recourse if a suit of the plaintiff is dismissed for default with a recent case on the issue.
- (b) What is the Advantage and Scope of having Summary procedure in cpc for some cases. Should it be made a practice for conducting all civil cases as per summary proceeding given u/cpc. Support the answer with legal reasonings taking help of decided recent cases.
- (क) वादी के हाजिर न होने का क्या परिणाम होता है ? यदि किसी वादी का वाद व्यतिक्रम के कारण खारिज हो जाता है तब लिए जाने वाले अवलम्ब का विवेचन इस मुद्दे पर हाल के केस सहित कीजिए ।
- (ख) सिविल प्रक्रिया संहिता में कुछ केसों हेतु संक्षिप्त प्रक्रिया को अपनाने का क्या लाभ तथा व्याप्ति है ? क्या सभी सिविल केसों को सिविल प्रक्रिया संहिता में उल्लिखित संक्षिप्त प्रक्रिया के अनुसार संचालित किए जाने की परिपाटी बनाई जानी चाहिए ? अपने उत्तर को हाल में विनिश्चित केसों की सहायता लेते हुए कानूनी तर्कों से पुष्ट कीजिए ।
8. (a) Discuss the law relating to suits by indigent persons with the help of a decided case.
- (b) Based on the understanding of civil procedural law and specific case study on the subject, what are the areas/topics which require amendment keeping in view the speedy disposal and dispensation

of cheaper justice at door step is the need of the time. Suggest propose at least Ten such Amendments in the cpc which require immediate attention.

- (क) किसी विनिश्चित केस की सहायता से निर्धन व्यक्तियों के वादों से सम्बन्धित विधि का विवेचन कीजिए ।
- (ख) सिविल प्रक्रिया विधि की समझ तथा उक्त विषय पर विशिष्ट केस के अध्ययन के आधार पर वे कौन से क्षेत्र/विषय हैं जिनको दरवाजे पर सस्ते न्याय हेतु त्वरित निपटान व प्रबन्धन की दृष्टि से संशोधन किए जाने की अपेक्षा है जोकि आज के समय की जरूरत है । सिविल प्रक्रिया संहिता में कम से कम ऐसे दस संशोधन सुझाइए । प्रस्तावित कीजिए जिन पर तत्काल ध्यान दिए जाने की अपेक्षा है ।